

## जी-20 सम्मेलन, 2020

### प्रलिस के लयः

जी-20, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, राष्ट्रीय कौशल विकास मशिन, संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन, नमामगिंगे कार्यक्रम, नई शकषा नीती, प्रधान मंत्री नवीन शकषण कार्यक्रम

### मेन्स के लयः

नये वैश्वक सूचकांक की जूररत

## चर्चा में क्यों?

हाल ही में, **G-20 (Group of Twenty)** वरुचुअल शखिर सम्मेलन में भारत ने कोरोना के बाद वाली दुनिया के लयि "नया वैश्वक सूचकांक" बनाने का सुझाव दया।

## प्रमुख बदि

- नया वैश्वक सूचकांक **4 स्तंभों** पर आधारतः होगा
  - प्रतभा,
  - प्रौद्योगकी,
  - पारदर्शता और
  - पृथ्वी के संरक्षण का भाव।
- इस वर्ष के शखिर सम्मेलन की मेज़बानी सऊदी अरब ने की थी।
- **प्रतभा:**
  - मानव प्रतभाओं का बड़ा पूल (Pool) तैयार करने के लयि **बहु-कौशल (Multi-Skilling)** तथा **पुनः कौशल (Reskilling)** पर ध्यान दया जाए।
  - भारतीय पहल जैसे कि **राष्ट्रीय कौशल विकास मशिन (National Skill Development Mission)** जसका उद्देश्य कौशल प्रशकषण गतवधियों के संदर्भ में कषेत्रों और राज्यों में पहुँच बनाना है।
  - भारत की **नई शकषा नीती (New Education policy)** और **प्रधान मंत्री नवीन शकषण कार्यक्रम (Pradhan Mantri Innovative Learning Program)** जैसे कार्यक्रम इसके साथ अच्छी तरह से मेल खाते हैं।
- **प्रौद्योगकी:**
  - नई प्रौद्योगकी का कोई भी आकलन जीवन की सुगमता और जीवन की गुणवत्ता पर उसके प्रभाव के आधार पर होना चाहयि।
  - भारत ने एक अनुवर्ती और प्रलेखन भंडार के रूप में एक G-20 "**आभासी सचवालय**" के नरिमाण का सुझाव दया।
  - भारत के डजिटल इंडया और ई-गवर्नेंस अभयानों ने लोगों की तकनीक और अन्य सरकारी सेवाओं तक पहुँच बढ़ा दी है।
- **पारदर्शता:**
  - सूचना का अधिकार और 'ईज़ ऑफ डूइंग बज़िनेस' में सुधार जैसे सुधार भारत में शासन में पारदर्शता को बढ़ावा देते हैं।
- **न्यासता:**
  - पर्यावरण के साथ "**मालकों के बजाय न्यासी**" के रूप में व्यवहार करने से समग्र और स्वस्थ जीवन शैली का जन्म होगा।
  - जलवायु परिवर्तन को **साइलो (Silo)** में नहीं बल्कि एकीकृत, व्यापक और समग्र तरीके से लड़ा जाना चाहयि।
  - कार्बन फुटप्रिंट **गरीनहाउस** गैसों की मात्रा है जो मुख्य रूप से कार्बन डाइऑक्साइड को एक वशिष मानवीय गतवधिद्वारा वायुमंडल में छोड़ा जाता है।
- **भविष्य की बैठकें:** वर्ष 2021 में इटली, वर्ष 2022 में इंडोनेशया, वर्ष 2023 में भारत और वर्ष 2024 में ब्राज़ील।

## उत्सर्जन को कम करने के लयि भारत की पहल

- **ढाँचागत कषेत्र:** भारत का अगली पीढी का बुनयादी ढाँचा न केवल सुवधाजनक और कुशल होगा, बल्कयह एक स्वच्छ वातावरण में भी योगदान देगा। **उदाहरण:** वर्ष 2017 में हैम्बर्ग जी-20 बैठक में प्रधानमंत्री द्वारा घोषति आपदा रोधी अवसंरचना के लयि गठबंधन। यह एक संयोजक नकियाय के रूप में कार्य करेगा जो नरिमाण, परविहन, ऊर्जा, दूरसंचार और पानी के पुनरनरिमाण के लयि दुनया भर से सर्वोत्तम प्रथाओं और संसाधनों को पूल (Pool) करेगा ताकप्राकृतिक आपदाओं में इन बुनयादी ढाँचागत कषेत्रों के कारकों का नरिमाण हो।
- **स्वच्छ ऊर्जा का नरिमाण:** भारत-फ्रांस **अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (International Solar Alliance)** की संयुक्त पहल।
  - ISA **कार्बन फुट-प्रटि** को कम करने में योगदान देगा।
  - भारत वर्ष 2022 के लक्ष्य से पहले पेरसि जलवायु समझौते के तहत कयि गए अपने जलवायु प्रतबिद्धताओं के एक हसिसे के रूप में 175 गीगावाट अक्षय ऊर्जा के अपने लक्ष्य को पूरा करेगा।
  - **उजाला (Unnat Jeevan by Affordable LED and Appliances for All -UJALA)** और **LED राष्ट्रीय सडक प्रकाश कार्यक्रम (LED Street Lighting National Programme)** योजना ने LED लाइट्स को लोकप्रयि बना दिया है, जसिसे प्रति वर्ष लगभग 38 मिलियन टन कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन की बचत होती है।
  - **उज्ज्वला योजना:** इसके तहत धुआं-रहति रसोई 80 मिलियन से अधिक घरों में उपलब्ध कराई गई है।
- **मरुस्थलीकरण:** **संयुक्त राष्ट्र मरुस्थलीकरण रोकथाम सम्मेलन (United Nations Convention to Combat Desertification)** वकिस और पर्यावरण को स्थायी भूमि प्रबंधन से जोडता है और इसका उद्देश्य मरुस्थलीकरण और सूखे के बुरे प्रभावों का मुकाबला करना है।
- **स्वच्छ वायु और जल:** **राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (National Clean Air Programme)** का उद्देश्य वायु प्रदूषण को कम करना है और **नमामागंगे कार्यक्रम** गंगा नदी का कायाकल्प करना तथा शासन में टरस्टीशपि की भावना को प्रदर्शति करता है।

**स्रोत:इंडयिन एक्सप्रेस**

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/g-20-summit-2020>

